नियो आयुर्वेद से प्रमुख रोग के इलाज के अतिरिक्त लाभ

नियो आयुर्वेद में, एक विशिष्ट बीमारी का उपचार स्वाभाविक रूप से अन्य संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करता है। उदाहरण के लिए, उपचार के दौरान गैस्ट्रिक समस्याएं, जोड़ों का दर्द, मधुमेह और अन्य सहवर्ती विकारों जैसी स्थितियों में स्वचालित रूप से सुधार होता है। इस समग्र दृष्टिकोण के कारण अक्सर अन्य बीमारियों के लिए दवाओं को कम करने की आवश्यकता होती है क्योंकि शरीर स्वाभाविक रूप से ठीक होना शुरू हो जाता है।

उदाहरण के लिए, जब किसी व्यक्ति को क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) का इलाज किया जाता है, तो अन्य संबंधित स्थितियां जैसे मधुमेह, मधुमेह न्यूरोपैथी, मधुमेह रेटिनोपैथी, उच्च रक्तचाप (बीपी), हृदय की समस्याएं, आंत के स्वास्थ्य में सुधार करती हैं। नींद संबंधी विकार और सामान्य कमजोरी में भी काफी सुधार होता है। प्रोटोकॉल शरीर के सभी अंगों को फिर से जीवंत करके काम करता है, यह सुनिश्चित करता है कि निष्क्रिय प्रणालियाँ – चाहे एकल हो या एकाधिक – पुनः सक्रिय हो जाती हैं। इससे रोगी उतना ही तरोताजा और स्वस्थ महसूस करता है जितना वह पुरानी बीमारी की शुरुआत से पहले था। बीमारियाँ रातोरात विकसित नहीं होती हैं बल्कि वर्षों में विकसित होती हैं, जिससे अक्सर कई जटिलताएँ पैदा होती हैं।

उदाहरण के लिए:

सीकेडी आमतौर पर कई प्रणालीगत मुद्दों के साथ होता है।

इसी तरह, लीवर सिरोसिस और अग्नाशयशोथ अक्सर संबंधित जटिलताओं के साथ मौजूद रहते हैं।

हृदय रोग के मरीज अक्सर समग्र स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली अतिरिक्त समस्याओं का अनुभव करते हैं।

नियो आयुर्वेद समग्र उपचार, मूल कारण को संबोधित करने और एक साथ सभी प्रभावित अंगों के पुनर्जनन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है। यह व्यापक दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि कई स्थितियों का एक ही बार में इलाज किया जाए, जिससे स्थायी राहत और समग्र कल्याण मिले।